आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 01.01.2025 समय : 0705

<><><><><><><>

- उप राज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने नए वर्ष दो हजार पच्चीस के आगमन के शुभ अवसर पर द्वीपवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।
- पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने अंडमान लक्षद्वीप बंदरगाह निर्माण कार्य के कार्यालय का दौरा किया।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के वैज्ञानिकों की सराहना की।
- प्रशासन के श्रम विभाग ने गिग वर्कर्स को नियुक्त करने के लिए प्रतिष्ठानों के सभी कर्मचारियों को ई–श्रम पोर्टल पर अपने नाम, पंजीकरण करने को कहा है।
- जलयान सिंधु कल श्री विजयपुरम से चेन्नई जाएगा।

<><><><><><><>

उप राज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने नए वर्ष दो हजार पच्चीस के आगमन के शुभ अवसर पर द्वीपवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि नया वर्ष हमारी उम्मीदों को नया करने, अतीत पर विचार करने और नए संकल्प लेने का समय है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्ष में हमारा द्वीपसमूह आपसी सहयोग और सद्भाव से प्रेरित होकर और भी अधिक गति से प्रगति करेगा। उप राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में हम अपना योगदान देंगे और यह अवसर प्रत्येक द्वीपवासी के जीवन में अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, नया वर्ष हमारे जीवन में निरंतर प्रगति लाए और हम विकास के पथ पर आगे बढ़ते रहे।

सांसद विष्णु पद रे ने भी द्वीपवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दो हजार पच्चीस द्वीपसमूह में सभी के लिए समृद्धि, शांति और अच्छा स्वास्थ्य लेकर आएगा।

उन्होंने सभी के लिए खुशी और सफलता से भरा वर्ष होने की कामना करते हुए कहा कि यह वर्ष सभी द्वीपवासियों के लिए अपार समद्धि और शांति लेकर आए।

सीपीआईएम राज्य सचिव डी. अयप्पन ने भी द्वीपवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

<><><><><><><>

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने हाल ही में अंडमान लक्षद्वीप बंदरगाह निर्माण कार्य के कार्यालय का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने द्वीपसमूह में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे के विकास में ए एल एच डब्लू के कार्य और इसकी भूमिका की समीक्षा की। कार्यालय की ओर से पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से चल रही परियोजनाओं की प्रगति को रेखांकित किया गया। राज्य मंत्री ने इन परियोजनाओं को समय से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने द्वीपसमूह में लैंडिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने, पी पी पी मोड के माध्यम से सभी प्रमुख परियोजनाओं को लागू करने, एक जहाज मरम्मत केन्द्र स्थापित करने, पर्यटन स्थलों पर फ्लोटिंग जेट्टी बनाने जैसे मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस बीच, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर कल अपने दो दिवसीय दौरे पर कैम्पबेल बे पहुंचे। वहां भाजपा के नेताओं ने उनका स्वागत किया। राज्य मंत्री मगरनाला तट गए और पक्षी अवलोकन भी किया। आज राज्य मंत्री कैम्पबेल बे जेट्टी, ब्रेकवाटर जेट्टी और गलाथिया नदी का दौरा करेंगे।

<><><><><><><>

केन्द्रीय परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि वर्ष दो हजार चौबीस, भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है। नई दिल्ली में कल मीडिया को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि वर्ष दो हजार चौबीस का पहला दिन एक्सपोसैट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ, और फिर आदित्य एल वन मिशन को उसकी लक्षित हेलो कक्षा में स्थापित किया गया। इसके बाद अगस्त में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

गया और तीस दिसम्बर को इसरो द्वारा स्पैडेक्स मिशन शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष गगनयान मिशन के लिए भी कई परीक्षण हुए हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि परीक्षण लगभग पूरे हो चुके हैं और अगले वर्ष किसी भी समय एक महिला रोबोट के साथ इसकी ड्रेस रिहर्सल होगी। श्री सिंह ने कहा कि डॉकिंग तकनीक के लिए स्पैडेक्स मिशन भारत द्वारा किए गए पहले प्रयोगों में से एक है। अंतरिक्ष डॉकिंग प्रणाली का उपयोग गगनयान और भारत के अंतरिक्ष स्टेशन कार्यक्रम के बाद के चरणों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के मंत्र के अनुरूप है। डॉ. सिंह ने स्पैडेक्स मिशन की सफलता से एक बार फिर देश को गौरवान्वित करने के लिए टीम इसरो को बधाई दी।

<><><><><><><>

प्रशासन के श्रम विभाग ने गिग वर्कर्स को नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों के सभी नियोक्ताओं से अपने कर्मचारियों का ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा है। श्रम और रोजगार मंत्रालय की इस राष्ट्रीय पहल का उद्देश्य गिग वर्कर्स सहित असंगठित श्रमिकों का एक व्यापक डेटाबेस बनाना है, ताकि विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और लाभों तक उनकी पहुँच को सुगम बनाया जा सके। गिग वर्कर का अर्थ है "ऐसा व्यक्ति जो किसी कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और पारंपरिक नियोक्ता–कर्मचारी संबंध से बाहर ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है।" इसमें सबसे आम तौर पर प्लेटफ़ॉर्म–आधारित कार्य शामिल होते हैं, जहाँ कर्मचारी फ्रीलांसर, डोर–डिलीवरी सेवाएँ, खाद्य वितरण सेवाएँ और ई–कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म सहित विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करके पैसा कमाते हैं। ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह से निःशुल्क है और इसे पूरा करने में केवल कुछ समय लगते हैं। ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकरण के लिए दिए गए पोर्टल में अपना नाम पंजीकृत करें और अपना पूर्ण विवरण जैसे आधार नंबर, बैंक विवरण और संपर्क जानकारी दें। पोर्टल पर दिए गए निर्देशों का पालन कर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करें।

श्रम विभाग ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह के सभी नियोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने रोजगार के तहत गिग वर्कर्स के पंजीकरण को प्राथमिकता दें। विभाग ने प्रत्येक

व्यक्तिगत गिग वर्कर से यह भी कहा है कि वे सुनिश्चित करें कि उनका नाम ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकृत हों। यह सक्रिय कदम उनकी सामाजिक सुरक्षा को बढ़ाएगा और क्षेत्र में असंगठित कार्यबल के सतत विकास में योगदान देगा। पंजीकरण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए, श्रम विभाग ने मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष सेल की स्थापना की है। सहायता के लिए, कोई भी फ़ोन नंबरः दो तीन शून्य एक पांच सात पर संपर्क कर सकता है।

<><><><><><><>

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड–सीबीडीटी ने विवाद से विश्वास योजना की समय सीमा बढ़ाकर अगले वर्ष इक्कतीस जनवरी तक कर दी है। इससे करदाताओं को योजना में निर्दिष्ट देय राशि निर्धारित करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। बजट में घोषित योजना का उद्देश्य करदाताओं को आयकर विभाग के साथ विवादों को सुलझाने में मदद करना है। इससे करदाताओं को एक निर्दिष्ट प्रतिशत के साथ विवादित राशि का भुगतान करके अपनी बकाया कर देनदारियों का निपटान करने में मदद मिलेगी।

<><><><><><><>

भारतीय तटरक्षक द्वारा राजस्व अधिकारियों के लिए क्षेत्रीय स्तर के प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभ्यास का उद्देश्य समुद्री प्रदूषण की घटनाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और समन्वय को बढ़ावा देने में राजस्व अधिकारियों की भूमिका पर बल देना था। यह कार्यक्रम विज्ञान केन्द्र के निकट और जेट्टी क्षेत्र के पास आयोजित हुआ। प्रतिभागियों को विभिन्न चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए यह प्रशिक्षण दिया गया। अभ्यास के दौरान भारतीय तटरक्षक जहाज विजित पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्व अधिकारियों को तेल रिसाव से निपटने और इसके पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने तेल रिसाव की रोकथाम के लिए आधुनिक उपकरणों के प्रदर्शन और समुद्री प्रदूषण की आपात स्थितियों पर भी जानकारी दी।

<><><><><><><>

पी एम उषा योजना के तहत महात्मा गांधी कॉलेज, मायाबंदर में विभिन्न ट्रेडो में निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवार और स्थानीय क्षेत्र के बेरोज़गार युवा, पच्चीस जनवरी तक निर्धारित प्रपत्र में अपना नाम कॉलेज के प्राचार्य के पते पर सीधे या ई–मेल के जरिए भेज सकते हैं।

<><><><><><><>

जलयान सिंधु कल श्री विजयपुरम से चेन्नई जाएगा। अतिरिक्त सामान की जांच आज दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक की जाएगी। यात्रियों को जहाज पर चढ़ाने का कार्य कल सुबह आठ बजे से किया जाएगा। जहाज दिन में दस बजे हैडो जेट्टी से छूटेगा।

<><><><><><><>